वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 284 | गुरुवार 9 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मेयर ने विधायक-सांसदों को लिखा लेटर

नगर निगम ग्रेटर जयपुर का बजट पास करने के लिए विशेष बैठक बुलाने की मांगी अनुमति

जयपुर. कासं

जयपुर नगर निगम ग्रेटर में बजट पास करने के लिए साधारण सभा की विशेष बैठक बुलाई जाएगी। इसके लिए मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर ने ग्रेटर एरिया के सभी विधायकों और सांसदों को लेटर लिखकर बैठक करने की अनुमति मांगी है। पिछले 15 दिन में ये दूसरा मौका है, जब मेयर ने सभी विधायकों और सांसदों को पत्र लिखकर बैठक के लिए अनुमति मांगी है। हालांकि एक बार तो दो में से एक सांसद ने बैठक की अनुमति देने से मना कर दिया था। इससे पहले 30 जनवरी को इन सभी विधायकों और सांसदों को पत्र लिखकर 9 फरवरी को बैठक बुलाने की अनुमति मांगी थी। सांसद रामचरण बोहरा ने बैठक को लोकसभा के सत्र के बाद बुलाने के लिए कहा था। सांसद से अनुमति नहीं मिलने पर मेयर ने दोबारा आज सभी को पत्र लिखकर विशेष बैठक बुलाने की अनुमति मांगी है।

5 विधायक और 2 सांसदों को लिखा पत्र

मेयर सौम्या गुर्जर ने जयपुर के 5 विधायकों और 2 सांसदों को पत्र लिखा है। इसमें मालवीय नगर विधानसभा के कालीचरण सराफ, सांगानेर के अशोक लाहोटी, झोटवाड़ा के लालचंद कटारिया, बगरू से गंगादेवी, विद्याधर नगर विधायक नरपतसिंह राजवी के अलावा जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह और जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा को पत्र लिखा है।

वार्षिकोत्सव में संगीत साधकों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

राजस्थान संगीत संस्थान जयपुर के कार्यक्रम में केसी मालू को दिया गया कलाश्री अवॉर्ड

जयपुर. कासं। राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह 2023 का आयोजन बुधवार को किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि कॉलेज शिक्षा आयुक्त सुनील शर्मा रहे। आयोजन के तहत राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. राजीव जैन, वीणा कैसेट्स के एमडी केसी मालू विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. वसुधा सक्सैना ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में केसी मालू को कलाश्री अवॉर्ड प्रदान किया गया। छात्रसंघ अध्यक्ष खुशबू सिंह, उपाध्यक्ष दिशांत साहू, महासचिव, केशव तिवाड़ी, संयुक्त सचिव, गार्गी सक्सैना, प्रेस सचिव, विकास शेरावत, सांस्कृतिक सचिव, राहुल बैरवा ने भी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने अपनी टीचर्स के निर्देशन में कला प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की आराधना से हुई। इसके बाद सामुहिक गायन के जरिए तालियां बटोरी गई। डॉ. विजयेन्द्र गोत्तम के निर्देशन में कलाकारों नेराग नट भैरव पर आधारित तराना से हुई।

मंत्री रमेश मीणा के खिलाफ धरने पर बैठे बेरोजगार

उपेन बोले- वादा कर भूली गहलोत सरकार, लड़ेंगे आर-पार की लड़ाई

जयपुर. कासं

राजस्थान के बेरोजगारों ने पंचायतीराज मंत्री रमेश मीणा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में बेरोजगार मंत्री के घर का घेराव करने पहुंचे। लेकिन पुलिस ने उन्हें नेहरू उद्यान के बाहर ही रोक दिया। जिसके बाद बेरोजगारों ने वहीं धरने पर बैठ सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। बेरोजगारों का धराना देर शाम भी जारी रहा। इस दौरान राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव समेत 8 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने कहा कि मंत्री रमेश मीणा अपने वादे से मुकर गए हैं। पंचायती राज JEN भर्ती के लिए लखनऊ और गुजरात समझौता हुआ था। लेकिन आज तक इस पूरे मामले में कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। वही पहले बजट में की गई जयन भर्ती आज तक जारी नहीं हो पाई है। ऐसे में अगर जल्द से जल्द बेरोजगारों की लंबित मांगों को पूरा नहीं किया गया तो प्रदेशभर के बेरोजगार आने वाले वक्त में कांग्रेस के खिलाफ गांव-ढाणी तक जागरूकता मार्च निकालेंगे।

दिगम्बर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर का शपथ ग्रहण समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति जयपुर पश्चिम संभाग का शपथ ग्रहण समारोह भट्टारक जी की नसियां के शांता देवी सभागार में सम्पन्न हुआ। दिगम्बर जैन महासमिति के वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष महेन्द्र कुमार जी जैन पाटनी ने शपथ ग्रहण कराई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम का प्रारम्भ भक्तामर के 26 से श्लोक को सामूहिक रूप से बोलकर तथा 9 बार णमोकार मंत्र बोलते हुए मंगलाचरण के साथ प्रारम्भ हुआ। शपथ ग्रहण कराने से पूर्व दिगम्बर जैन महासमिति के वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं पश्चिम संभाग के परम परामर्शक महेन्द्र कुमार पाटनी का तिलक लगाकर, माला पहनाकर, दुपट्टा उड़ाकर एवं साफा पहनाकर सम्मान किय गया। तदोपरान्त परामर्शकगण डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, कैलाश चंद गोधा, सुनील बज तथा राजेश बडजात्या का तिलक लगाकर, माला पहनाकर एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया इसके साथ ही अंचल के महामंत्री महावीर बाकलीवाल एवं राष्ट्रीय युवा मंत्री मनीष वैद का तिलक लगाकर माला पहनाकर एवं दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। महेन्द्र कुमार जी पाटनी ने शपथ दिलाने से पूर्व महासमिति के बारे में विस्तार से पूर्ण जानकारी दी तथा पदाधिकारियों के कर्तव्यों के बारे में पूर्ण विस्तार से अवगत कराया। सर्वप्रथम पश्चिम संभाग की 18 इकाइयों के अध्यक्ष तथा मंत्रियो ने शपथ ग्रहण की तदुपरांत पश्चिम संभाग की कार्यकारिणी के सदस्यो ने शपथग्रहण की उसके पश्चात संभाग के उपाध्यक्ष सर्व डॉ. णमोकार जैन, महेश चांदवाड तथा पदम बिलाला को शपथ ग्रहण कराई गयी फिर पश्चिम संभाग के कार्याध्यक्ष डा. ज्ञानचन्द सोगानी को शपथ दिलाई गई तदोपरांत संभागीय मंत्री महेन्द्र कुमार छाबडा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मंजूलता छाबडा को शपथ दिलाई गई, सबसे अंत में पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरला संघी ने ग्रहण की। पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी ने पश्चिम संभाग द्वारा गत वर्षो में किए गए कार्यो की पूर्ण जानकारी दी एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को उनके कार्यो से अवगत कराया उसके पश्चात 2023 में किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन राजेश बडजात्या ने अत्यन्त ही आकर्षक रूप में किया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ एवं उसके पश्चात स्वादिष्ट भोजन के साथ समपन्न हुआ।

जैन युवा महिला फेडरेशन के चुनाव सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा महिला फेडरेशन जनता कॉलोनी के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न। अध्यक्ष वंदना टोंगिया, उपाध्यक्ष सुधा जैन, सचिव मंजू गंगवाल, सांस्कृतिक मंत्री आशा रावका, कोषाध्यक्ष श्रीमती सविता गेंढका, संयुक्त मंत्री, श्रीमती आंचल जैन को चुना गया। महिला मंडल में कुल 60 मेंबर हैं।

जैन मंदिर परिसर मे शांतिनाथ मण्डल विधान में उमड़े श्रद्धालु

इन्द्र-इन्द्राणियों ने जमकर किया भक्ति नृत्य

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुनील सागर शशांक सागर महाराज एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा गाजेबाजे के साथ संगीतमय शांतिनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया जिसमें विधानाचार्य सुरेश कुमार शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा सोधर्म इन्द्र मुकेश जैन, हेमा जैन बनेठा एवं विमल जैन, मेना जैन के परिवार जन सहित सभी इन्द्रो ने भगवान शांतिनाथ के अभिषेक एवं विश्व में शांति की कामना के लिए शांतिधारा की। इस दौरान जयकारों के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान का शुभारंभ किया गया जिसकी शुरूआत भगवान शांतिनाथ के समक्ष रामपाल चंवरिया एवं प्रेमचंद गिन्दोडी ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विधान के सोधर्म इन्द्र के साथ मण्डप पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई। विधान मे मंगलाचरण गायिका कोमल जैन, शशी सोगानी, हेमा जैन, सुनीता बडागांव, रितु चंवरिया, इन्द्रा झिलाय ने सामुहिक नृत्य किया। इस दौरान विधान मे नवदेवता पूजा शांतिनाथ पूजा के साथ आचार्य सुनील सागर महाराज एवं शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना गाजेबाजे से की गई। विधान कार्यक्रम का संचालन पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री ने किया। विधान मे संगीतकार भजन गायक सौरभ जैन, गायिका कोमल जैन एवं गायक विमल जौंला द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। जिस पर सेकडों श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किए। जौंला ने बताया कि विधान मे सोधर्म इन्द्र परिवार द्वारा चार वलय मे 130 श्री फल अर्ध्य चडाक र पुण्यार्जन किया। विधान के अन्त मे शांतिनाथ भगवान की आरती उतारी गई।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरा है दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी: मुनि श्री पुनीत सागर जी

मुनिश्री ने किया रामनगर की ओर विहार। मानवीय साहयता सबसे बड़ी सेवा हैः मुनि श्री आगम सागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मानवीय सहायता सबसे बड़ी सेवा है जो दक्षिण भारत में आई बाढ के समय दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने की। जिस समय दक्षिण भारत बाढ़ की त्रसदी आई और विजौलिया तीर्थ से निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी ने उत्तर भारत वासियों से आव्हान किया तो दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने दक्षिण भारत के जैन समाज की मन और धन और साम्ग्री भेजकर बड़ी साहयता की। उस समय हमारा संघ सुदूर दक्षिण भारत में विहार कर रहा था। थूवोनजी से भेजें गये वस्त्र खाद्य सामग्री आर्थिक सहायता का स्थानीय लोगों ने सही सही उपयोग किया। इस समय को याद कर आज भी लोग सहम जाते हैं उक्त आश्य केउद्गार मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ने दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने जैसे ही आव्हान किया नगद से लेकर हर तरह की साधर्मि जनोंतक सहायता पहुंची यहां की दो सौ से अधिक बाढ़ पीड़ितों को पक्के मकान बना कर दिये गये ऐसी सहायता पात्रों को देख कर करते रहना चाहिए, ये मानवीय गुण है जिसे पुरुषार्थ से प्रकट किया जाता है। आपके आस पास जव भी कोई संकट में फंसा हो तो सबसे पहले मदद करना हमारा नैतिक कर्तव्य होना चाहिए। ये बाते शास्त्रो में नहीं मिलेगी। हमें जीवन में खुद ही समझना होगा। बाढ़ के दौरान जव एक मुस्लिम परिवार के घर गाय के लिए चारा पहुंचाया गया तो कहते हैं कि ये मदद तो अल्लाह ही भेज सकता है संकट में घिर व्यक्ति को आपके सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता है। इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि श्री आगम सागर जी महाराज, मुनिश्री पुनीत सागर जी महाराज ससंघ ने आज दोपहर बाद दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी से नावनी होते हुए चन्देरी के लिए पद विहार कर दिया। आज रात्रि विश्राम रामनगर में होगा कल प्रातः काल कि वेला में मुनि संघ का चन्देरी में नगर भव्य मंगल प्रवेश होगा।

वेद ज्ञान

अनुभव से पैदा होती है समझ

जिंदगी की वास्तविक समझ अनुभव से पैदा होती है। हम अपनी क्षमताओं का समुचित आकलन और नियोजन अनुभव करके ही कर सकते हैं। अनुभव किए बगैर न तो हम अपनी जिंदगी जी सकते हैं और न ही अपने अंदर समाई दिव्य क्षमताओं का परिचय पा सकते हैं। इस सबको जानने, समझने और सही नियोजन करने के लिए हमें उसी रूप में उन्हें महसूस करना चाहिए। हम आखिर हैं कौन और हमारे अंदर क्या है, जो बाहर फूटकर आना चाहता है? क्षमताएं अंदर सुप्त रूप में पड़ी रहती हैं। इन्हें तभी जाग्रत कर निर्दिष्ट कार्य में नियोजित किया जा सकता है, जब हम इन्हें गहराई से महसूस करेंगे। इन्हें हम जितना महसूस करेंगे, उनकी पहचान उतनी ही अधिक होगी। क्षमताओं को महसूस करना बौद्धिक व्याख्या नहीं है और कोई तर्क भी नहीं है कि यह ऐसा होगा या नहीं होगा। इनके बारे में तभी सार्थक रूप से बताया जा सकता है, जब इनकी बारीकियों को हम महसूस करेंगे। जीवन में असीम क्षमताएं समाई हुई हैं, परंतु ये सोई पड़ी हैं। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है, जो इन दिव्य विभूतियों से वंचित होगा। सभी में ऐसी महान विभूतियां समाई हुई हैं कि उनके एक अंश उभरकर सामने आने पर मनुष्य कहां से कहां पहुंच सकता है। जीवन की राहें कंटीले कांटों से अटी पड़ी हैं और इन कांटों को भेदकर गुलाब का सुखद स्पर्श किया जा सकता है। क्षमता को सतत प्रक्रिया से उभारा जा सकता है। निरंतर प्रयास से क्षमता निखरती है, परंतु इससे ठीक विपरीत रुक जाने से यह छिप जाती है, ढक जाती है। क्षमता राख की परतों में ढकी हुई होती है, जो इसे महसूस करता है, उसे अंगारों के समान धधका देता है। क्षमता की सही समझ और परिस्थितियों के सही नियोजन से विकास की ऐसी अविरल धारा फूट पड़ती है, जिसे हम 'प्रतिभा' कहते हैं। प्रतिभा कुछ नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं और परिस्थितियों के बीच सामंजस्य स्थापित कर श्रेष्ठ और नया करने के लिए सतत अवसर तलाशने और उसे कर गुजरने के हौसले का नाम है। हम अपनी क्षमताओं को जितना अनुभव करेंगे, हमारी प्रतिभा उतनी ही विकसित होगी।

संपादकीय

लोगों की जान पर भारी न पड़े लापरवाही

अभी ज्यादा दिन नहीं हुए, जब भारत में बनी खांसी की दवा पीने की वजह से पहले अफ्रीकी देश गांबिया और फिर उज्बेकिस्तान से कई बच्चों की मौत की खबर आई थी। हालांकि बाद में उन मामलों पर अलग-अलग दावे सामने आए। लेकिन अब भारत में ही बनी एक अन्य दवा की वजह से अमेरिका में कई लोगों की आंखों की रोशनी चले जाने और एक व्यक्ति की मौत की खबर आई है। अमेरिका में **''सेंटर फार डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन''** यानी सीडीसी के मुताबिक इस दवा की वजह से संक्रमण के प्रकोप में बारह राज्यों के कम से कम पचपन लोग बीमार हो गए। कुछ ही अंतराल पर ऐसी खबरें कई स्तर पर चिंता पैदा करती हैं। किसी दवा की वजह से सामने आए दुष्परिणाम की अगर इक्का-दुक्का ऐसी घटनाएं होती हैं, तो उसे प्रभावित व्यक्ति में एलर्जी मान कर इलाज

किया जाता है लेकिन अगर इतनी बड़ी संख्या में लोगों को एक ही तरह की प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है, तो निश्चित रूप से यह दवा में मौजूद किसी तत्त्व का दुष्परिणाम हो सकता है, जिसकी जांच-परख किए बिना उसे बेचने और इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी गई। फिलहाल इस दवा को खरीदने और उपयोग न करने की सलाह दी गई है। संबंधित दवा कंपनी ने इसका उत्पादन रोक दिया है। मगर इससे एक बार फिर यह सवाल उठा है कि जो दवाएं किसी बीमारी या परेशानी से बचाव या उसका इलाज करने के लिए बनाई जाती हैं, वही लोगों के भीतर नया रोग पैदा करने से लेकर मौत तक की वजह कैसे बन जाती हैं! किसी भी स्थिति में दवा के दुष्परिणाम की वजह से मरीज की जिंदगी खतरे में पड़ती है या उसके रोग का इलाज ज्यादा जटिल हो जाता है तो यह विडंबना ही है। दवा बनाने वाली हर कंपनी अपनी दवाओं के असर और उनकी लाभकारी उपयोगिता के बारे में काफी बढ़-चढ़ कर दावे करती हैं। दवाओं के बारे में पेश की गई सूचनाओं में उसे हर कसौटी पर गुणवत्ता से लैस बताती हैं। लेकिन अगर उन दवाओं के इस्तेमाल से शरीर में कोई नुकसान होने के अलावा मौत तक का खतरा पैदा हो जाता है तो इसकी क्या वजह है। किसी भी दवा के निर्माण के बाद उसे खुले बाजार में भेजने से पहले उसका हर स्तर पर सुरक्षित होना सुनिश्चित किया जाता है। यह पहलू हर कंपनी अपने प्रतिनिधियों के जरिए जोर देकर बताती रहती है। फिर ऐसी दवाएं कई लोगों के लिए त्रासदी की वजह कैसे बन जाती हैं? हैरानी की बात यह भी है कि अमेरिका में जिस दवा के उपयोग से लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, वह अमेरिका के बाजार में तो भेजा जाता है, मगर भारत में इसकी बिक्री नहीं की जाती है। वहीं कई बार ऐसी दवाएं भी भारत में आसानी से मिलने और उनके उपयोग की खबरें आती रहती हैं, जिन पर किसी दूसरे देश में पाबंदी होती है। अगर कोई एक दवा एक जगह नुकसान या खतरे की वजह बन सकती है तो वही किसी अन्य स्थान पर पूरी तरह सुरक्षित कैसे मान ली जाती है? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बाल-विवाह

बरसों से जागरूकता अभियानों, विज्ञापनों, लेखों आदि के जरिए बाल विवाह की वजह से जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा रहा है। सरकारों ने इसके खिलाफ कड़े कानून बना रखे हैं। प्रशासन ऐसी शादियों पर नजर रखने का प्रयास करता है ताकि निर्धारित उम्र से पहले बच्चों का गठबंधन न होने पाए। मगर इन तमाम कोशिशों के बावजूद बहुत कम उम्र में बच्चों की शादी कर देने का चलन बंद नहीं हुआ है। अब ऐसी शादियों के खिलाफ असम सरकार ने व्यापक अभियान शुरू किया है। असम पुलिस का कहना है कि उसने ऐसे आठ हजार लोगों को चिह्नित किया है, जिन्होंने कम उम्र में शादी की या कराई। उनमें विवाह कराने वाले पंडित और मौलवी भी शामिल हैं। वहां की पुलिस ने इस मामले में दो हजार चौवालीस लोगों को गिरफ्तार भी किया है। राज्य सरकार का कहना है कि ऐसे विवाहों को अवैध करार दिया जाएगा। चौदह साल से कम उम्र की लड़की के साथ विवाह करने वालों के खिलाफ पाक्सो अधिनियम के तहत और चौदह से अठारह बरस के बीच की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज होगा। हालांकि असम सरकार की इस सख्ती से वहां के प्रभावित लोगों में नाराजगी देखी जा रही है, मगर सामाजिक बदलाव के लिए उठाए गए सरकारों के ऐसे कदम को अनुचित नहीं कहा जा सकता। बेशक देश में साक्षरता दर बढ़ी है, लड़कियों को पढ़ा-लिखा कर सशक्त बनाने पर जोर है, इसका असर भी काफी देखा जा रहा है, मगर हकीकत यह भी है कि बहुत सारे वर्गों, खासकर निम्न वर्ग में विवाह की उम्र आदि को लेकर जागरूकता का अभाव है। कई समुदायों में आज भी यह मान्यता बनी हुई है कि कन्या के रजस्वला होते ही उसका विवाह कर देना चाहिए। कई समाजों में तो लड़के और लड़कियों का बचपन में ही विवाह कर दिया जाता है, फिर उनके योग्य होने के बाद गौना किया जाता यानी उन्हें साथ रहने दिया जाता है। कई समुदायों में लड़कियों की सुरक्षा के लिहाज से भी जल्दी विवाह कर दिया जाता है। वहां माना जाता है कि विवाह के बाद लड़की की अस्मिता पर प्रहार बंद हो जाता है। इन्हीं सब मान्यताओं और धारणाओं के चलते आज भी कम उम्र में विवाह का सिलसिला नहीं रुक पा रहा है। मध्यप्रदेश में तमाम कड़ाई के बावजूद हर साल अखा तीज के दिन बहुत सारे नाबालिगों की शादियां कर दी जाती हैं। मगर वैज्ञानिक तथ्य यह है कि कम उम्र में लड़कियों का विवाह कर देने और फिर उनके मां बन जाने का सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। वे जीवन भर शारीरिक रूप से कमजोर और बीमारियों से घिरी रहती हैं। वे स्वस्थ बच्चों को जन्म नहीं दे पातीं। कम उम्र में ही उनकी मौत हो जाती है। शिशु और मातृ मृत्यु दर पर काबू पाना इसी वजह से चुनौती बना हुआ है। ऐसे में असम सरकार का बाल विवाह के विरुद्ध अभियान उचित ही है। मगर इस कड़ाई में उसे यह देखने की जरूरत होगी कि जिन परिवारों के एकमात्र कमाऊ सदस्य इस अभियान में गिरफ्तार होंगे, उनके परिवार का भरण-पोषण कैसे चलेगा। राज्य सरकार को विरोध भी इसी वजह से झेलना पड़ रहा है। पर इससे न सिर्फ वहां, बल्कि दूसरे राज्यों के लोगों को भी एक सबक तो मिलेगा कि कम उम्र में विवाह करने या कराने के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं।

विरागोदय महामहोत्सव में उमड़ा भक्तों का हुजूम

आदिकुमार की बारात एवं नीलांजना के नृत्य देखते ही हुआ वैराग्य

राजेश रागी /रत्नेश जैन बकस्वाहा.
शाबाश इंडिया

पथरिया, दमोह। बुधवार को विरागोदय महामहोत्सव में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री1008 आदिनाथ भगवान का तप कल्याणक गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में मनाया गया। गणाचार्य श्री108 विराग सागर जी ने कहा कि प्रथम तीर्थंकर भगवान ॠषभदेव का जन्म कल्याणक पर्व पूरे विश्व में जितने भी धूमधाम के साथ मनाया जाए कम है। भगवान ॠषभदेव से ही इस युग में मोक्षमार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने ही असि, मसि, कृषि आदि शिक्षाएं देकर मानवता को जीवन यापन करना सिखाया। पथरिया के विरागोदय तीर्थ पर आयोजित पंच कल्याणक महोत्सव के चौथे दिन तप कल्याणक विधि-विधान से हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस दौरान भगवान के नामाकरण संस्कार से लेकर विवाह तदुपरांत वैराग्य, दीक्षावन प्रस्थान आदि का कार्यक्रम संपन्ना कराया गया। उपस्थित हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंत्रमुग्ध पूरे कार्यक्रम को निहारते रहे। महोत्सव का शुभारंभ मंत्र आराधना से हुआ। उसके बाद नित्यमह पूजा, तप कल्याणक पूजा फिर हवन का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। प्रतिष्ठाचार्य पं. हँसमुख जी, भागचंद जी ने बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म चैत्र कृष्ण तेरस के दिन सूर्योदय के समय हुआ। उन्हें ॠषभनाथ भी कहा जाता है। उन्हें जन्म से ही सम्पूर्ण शास्त्रों का ज्ञान था। वे समस्त कलाओं के ज्ञाता और सरस्वती के स्वामी थे। उनके पुत्र भरत चक्रवर्ती सम्राट बने। उन्हीं भरत के नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा। आदिनाथ/ ॠषभनाथ सौ पुत्रों और ब्राह्मी तथा सुंदरी नामक दो पुत्रियों के पिता बने। भगवान ॠषभनाथ ने ही विवाह-संस्कार की शुरूआत की और प्रजा को पहले असि (सैनिक कार्य), मसि (लेखन कार्य), कृषि (खेती), विद्या, शिल्प (विविध वस्तुओं का निर्माण) और वाणिज्य-व्यापार के लिए प्रेरित किया। कहा जाता है कि इसके पूर्व तक प्रजा की सभी जरूरतों को कल्पवृक्ष पूरा कर थे।

1100 प्रतिमाओं के दीक्षा कल्याणक संपन्न

तप कल्याणक के पावन अवसर पर आदिकुमार की बारात का आयोजन हुआ जिनमे बड़े जैन मंदिर से बारात प्रारंभ हुई जिसमें 21 रथ, 3 हाथी, दिव्यघोष, बैंड पार्टी के साथ हजारों बरातियों के साथ आदिकुमार प्रमुख रथ पर सवार थे। लोगो ने द्वार द्वार पर स्वागत किया। प्रमुख मार्गों से बारात घूमती हुई विरागोदय कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां वर माला पहनाकर विवाह संस्कार सम्पन हुए। उसके उपरांत 1100 जिनप्रतिमाओ की जैनेश्वरी दीक्षा गणाचार्य समेत सभी आचार्यों समेत मुनिराज के करकमलों से हुई। साथ ही आज भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य झांसी एवं सागर की पूर्व विधायक सुधा जैन समेत अनेक राजनेता जनप्रतिनिधि व भक्त पधारे।

आज नैनागिर कमेटी करेगी श्रीफल समर्पित

महामहोत्सव की मीडिया समिति के राजेश रागी बकस्वाहा ने बताया कि पथरिया के विरागोदय तीर्थ मे गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आयोजित महामहोत्सव में पधारे समस्त आचार्य मुनि महाराज सहित साधु-संतों को नैनागिरि जी की वंदना दर्शनार्थ पधारने की प्रार्थना निवेदन व श्रीफल समर्पित करने के साथ ही महामहोत्सव मे सम्मिलित सभी पात्रों एवं पधार रहे महानुभावों को नैनागिरि जी दर्शनार्थ आमंत्रित करेगी ।

स्टैंड-अप कॉमेडी शो का हुआ आयोजन

मजेदार चुटकलों और किस्सो से ऑडियंस को खूब हंसाया

अमन जैन कोटखावदा.शाबाश इंडिया

जयपुर। शहर में बढ़ते हुए कॉमेडी परिदृश्य के तहत सहकार मार्ग स्थित फ्लेम्स कैफे एंड किचन में एक स्टैंड-अप कॉमेडी शो का आयोजन किया गया। इस शो के मुख्य आकर्षण टैलेंटेड एवं स्टैंड-अप के उभरते सितारे करण हूडा रहे। हुडा ने मजेदार चुटकुलों और किस्से-कहानियों ने ऑडियंस को खूब गुदगुदाया। पूरे शो के दौरान ठहाकों की आवाज से पूरा वेन्यू गूंजता रहा। करण हुडा के लिये ओपन किया जयपुर के बेहतरीन कॉमेडियन अजय शर्मा ने बखूबी श्रोताओं को अपने चुटकुलों से हँसाते हुए अपनी कुर्सियों से बांधे रखा। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक शर्मा ने किया। शो के बाद कॉमेडियंस ने अपने फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। कार्यक्रम का संयोजन ह्यूमर हाउस द्वारा किया गया जो कि जयपुर शहर में कॉमेडी ओपन माइक एवं शो का प्रमुख संयोजक है। सितंबर 2022 में अपने आगाज के बाद ह्यूमर हाउस ने अभी तक कई कार्यक्रम आयोजित किये हैं जयपुर के प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए। ह्यूमर हाउस के सह-संस्थापक सौरभ जैन ने बताया कि उनका मकसद है कि जयपुर के कलाकारों में बहुत प्रतिभा है और उनका मकसद है कि सभी को मंच प्रदान किया जाए ताकि वो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और उसको निखार सकें। इसी उद्देश्य के तहत वो लगभग हर सप्ताह अनेक कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। आपको बता दें की सौरभ जैन खुद जयपुर के एक जाने माने कॉमिक हैं और पिछले 8 सालों से इस क्षेत्र अपना योगदान दे रहे हैं।

ह्यूमर हाउस के सह-संस्थापक सौरभ जैन ने बताया कि उनका मकसद है कि जयपुर के कलाकारों में बहुत प्रतिभा है और उनका मकसद है कि सभी को मंच प्रदान किया जाए...

जवाहर कला केन्द्र में सजेगा गार्डन बाजार

जयपुर. कासं

अगर आप नेचर लवर्स है तो जवाहर कला केंद्र में गार्डन बाजार आपके लिए बहुत खास साबित होगा। जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में किचन गार्डन एसोसिएशन की ओर से 11 फरवरी से गार्डन बाजार की शुरूआत होगी। यहां गार्डनिंग टूल्स, एक्सेसरीज और ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ बोनसाई की विस्तृत रेंज देखने को मिलेगी। यहां दशकों पुरानी बोनसाई आकर्षण का केंद्र बनेंगी। गार्डन बाजार में मिनिएचर गार्डनिंग का भी विस्तृत कलेक्शन देखने को मिलेगा। इसमें टेरेटियम और ट्रे गार्डनिंग में गार्डन एक्सेसरीज लोगों को अट्रेक्ट करेंगे। यहां खासतौर पर स्टोन से तैयार प्लांटर्स की विस्तृत रेंज भी देखने को मिलेगी।

श्री अरुण- अमिता जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ

(९ फरवरी) पर

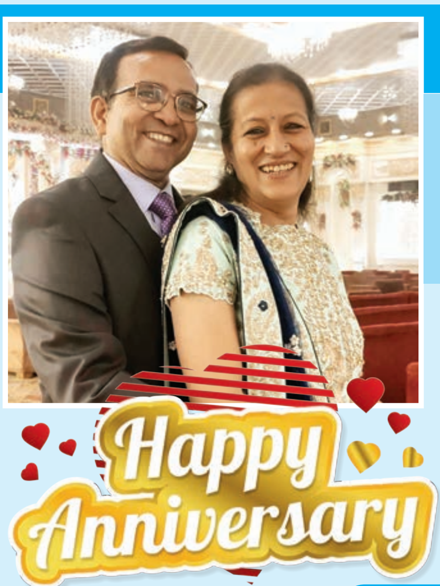

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

खुद को बदलना बहुत कठिन काम नहीं है...

खुद के अन्दर बदलने का जुनून होना चाहिए : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

अतीत में जीना, अपनों से ज्यादा उम्मीद करना, जरूरत से ज्यादा सोचना और स्वयं को कमजोर समझना - ये चारों बातें जीवन की उन्नति में बाधक है क्योंकि जीवन कभी किसी के लिए रूकता नहीं है। जीवन एक ऐसी अनवरत यात्रा है, जो तमाम उतार चढ़ाव पार करते हुये निरन्तर चलती रहती है। परन्तु कभी कभी कुछ ऐसा हो जाता है कि ज़िन्दगी मानों थम सी जाती है। उस समय महसूस होता है कि अब इस भूल भूलैया जिन्दगी से बाहर निकलना सम्भव हो नहीं पायेगा। जब हम इस बात को अपने जहन में बसा लेते हैं तो जिन्दगी में हम उस ऊब से बाहर नहीं निकल पाते हैं। हम जैसे हैं वैसे ही महत्वपूर्ण है, बस खुद को और बेहतर बना सकते हैं। कभी किसी दूसरे को प्रभावित करने के लिये या प्रसन्न करने के लिये, खुद को तात्कालिक बदलना उचित नहीं है। इस बात में कोई बुराई नहीं है कि लोग आपको पसंद करे, आप से बात करे, आपसे प्रभावित हो, सिर्फ इसके लिए स्वयं में बदलाव लाना ठीक नहीं है। अपने लक्ष्य को समझें और जिन्दगी अपने तरीके से जीयें। क्योंकि दुनिया में अच्छे लोगों की संख्या खुदगर्ज लोगों से अधिक है। अच्छा इन्सान जब दूसरों के लिए कुछ अच्छा करता या सोचता है तो वह उसके बदले में कुछ भी नहीं चाहता, ना कोई अपेक्षा रखता है। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।**

जेईई मेंस परीक्षा में महावीर पब्लिक स्कूल के तीन होनहार छात्रों ने बाजी मारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेईई मेंस परीक्षा 2023 में महावीर पब्लिक स्कूल के छात्र अंश भार्गव ने 98.24, अब्दुल हादी सिद्दीकी ने 97.31 व केशव शर्मा ने 96.52 परसेंटाइल लाकर सफलता प्राप्त की। इन छात्रों की सफलता के लिए संस्था के अध्यक्ष उमराव संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्यों व विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने बधाई दी व आगे भी निरंतर सफलता प्राप्त करने की कामना की।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक की प्रथम मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक की प्रथम मीटिंग होटल मौर्य पैलेस में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम संचालक एवं ग्रुप सचिव अजीत बड़जात्या ने बताया कि सदस्यों के आगमन पर तिलक लगा कर श्रीमती किरण जैन द्वारा स्वागत किया गया । कार्यक्रम का प्रारम्भ ग्रुप अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया । तत्पश्चात भगवान की स्तुति मंगलाचरण के रूप में श्रीमती रंजना बोहरा, श्रीमती रेखा ठोलिया, श्रीमती मधु बाकलीवाल, श्रीमती शकुन बड़जात्या द्वारा की गई । ग्रुप अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल द्वारा स्वागत उदबोधन किया गया ।नवीन कार्यकारिणीके रूप में रंजू बाकलीवाल को कनिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद छाबड़ा को सहसचिव और किरण जैन को कार्यकारिणी सदस्य की घोषणा करने के पश्चात उनका स्वागत किया गया । नवीन सदस्य अनिल जैन-डॉ मंजू जैन ,सरोज जैन, विनोद छाबड़ा का स्वागत किये जाने के पश्चात सभी नवम्बर से फरवरी तक जन्मतिथी एवं वैवाहिक वर्षगांठ वाले दम्पति सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। चेतन जैन द्वारा सामाजिक उत्कृष्ट कार्य किये जाने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक किरण जैन, कमलेश जैन द्वारा अतिसुन्दर गेम्स एवं हाउजी खिलाई गयी। रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या एवं महासचिव निर्मल संघी के आने पर उनका स्वागत क्रमशः ग्रुप अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल एवं सचिव अजीत बड़जात्या द्वारा किया गया। कोषाध्यक्ष पवन ठोलिया द्वारा सभी संयोजको एवं सदस्यों का धन्यवाद ,आभार प्रगट किया गया। अंत मे ग्रुप की तरफ से सभी सदस्यों को एक उपहार वितरित किया गया

जैन समाज के चार दिवसीय आयात -निर्यात प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ आज 9 फरवरी को

पूरे देश से शामिल होंगे युवा उद्यमी

आचार्य सुनील सागर महाराज का मिलेगा सानिध्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में जैन समाज द्वारा अनूठा कदम उठाया जा रहा है । श्रावक सेवा संस्था के तत्वावधान में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में जैन बन्धुओं के लिए पहली बार चार दिवसीय विदेश व्यापार कार्यशाला आयात -निर्यात प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष पं.महावीर मनु जैन एवं मुख्य समन्वयक कमल बाबू जैन ने बताया कि आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरुवार,9 फरवरी से रविवार,12 फरवरी तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के धाडूका सभागार में किया जाएगा। परामर्शक विनोद जैन कोटखावदा एवं समन्वयक भाग चन्द जैन ने बताया कि ,9 फरवरी को दोपहर में 1.00 बजे से शुरू होने वाले इस शिविर में प्रसिद्ध समाजसेवी राजीव जैन गाजियाबाद मुख्य अतिथि तथा समाजसेवी सुभाष पाटनी विशिष्ट अतिथि होंगे। मंगलाचरण,दीप प्रज्वलन से शिविर का शुभारंभ होगा। जैन बन्धुओं को आयात -निर्यात सहित विदेश व्यापार के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी देने हेतु इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फोरेन ट्रेड,भारत सरकार की टीम तथा एम डी पी डिविजन के प्रमुख डॉ राजेन्द्र प्रसाद शर्मा के निर्देशन में यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में विदेश व्यापार से संबंधित सभी पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा प्राथमिक जानकारी साझा की जाएगी। मीडिया प्रभारी वी बी जैन ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में रजिस्ट्रेशन हेतु -https//www.shravaksevasanstha.org पर रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है। विस्तृत जानकारी हेतु मोबाइल नम्बर 9137417696, 9529888095 पर सम्पर्क किया जा सकता है। पदमपुरा क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री हेमन्त सोगानी ने बताया कि पदमपुरा में प्रशिक्षणार्थियों हेतु आवास एवं भोजन की निः शुल्क व्यवस्था रहेगी।

जैन बन्धुओं को आयात-निर्यात सहित विदेश व्यापार के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी देने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फोरेन ट्रेड,भारत सरकार की टीम तथा एम डी पी डिविजन के प्रमुख डॉ राजेन्द्र प्रसाद शर्मा के निर्देशन में यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

जवाहर कला केंद्र में लगेगा गार्डन बाजार 11 से 13 फरवरी तक

जयपुर. शाबाश इंडिया। किचन गार्डन एसोसिएशन द्वारा 11 से 13 फरवरी 2023 तक जवाहर कला केंद्र में आयोजित किया जाएगा। एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ शशि भार्गव ने बताया कि तीन दिवसीय गार्डन बाजार में देश विदेश के सजावटी, मौसमी व सदाबहार फूलों के पौधे, सभी किस्मों की खाद, मिनिएचर टॉयज गमले, ट्रे आदि का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। एसोसिएशन की सचिव गीता आहलूवालिया ने बताया कि बाजार में 60 से अधिक स्टॉल लगाई जाएंगी। एसोसिएशन की उपाध्यक्ष सुदेश अरोड़ा, रेखा भार्गव और श्यामा वर्मा ने बताया कि 13 फरवरी को दोपहर 3:00 बजे विख्यात आर्टिस्ट सोमिक दास द्वारा रॉक पर बोनसाई यह कार्यशाला आयोजित की गई है। इस कार्यशाला में पेंजिंग (रॉक पर बोनसाई) बनाने की कला भी सिखाई जाएगी तथा आम नागरिक के लिए सभी कार्यशाला आयोजित की गई है। गार्डन बाजार पर प्रातः 10:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक आमजन के लिए निशुल्क खुला रहेगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com